NT>

Title: Regarding declaration of cow as a national animal and ban on cow-slaughter.

श्री अनंत गुढे (अमरावती) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विाय पर इस सदन का ध्यान आकर्ति कर रहा हूं। इस देश के करोड़ों हिंदुओं के लिए गाय भगवान है, पूजनीय है। देश में गो-हत्या कानून तो है लेकिन देश में रोज हजारों गो-धन को काटा जाता है। देश में हजारों अनधिकृत बूचड़खाने हैं जो पुलिस और प्रशासन की आंखों में धूल-झोंककर चल रहे हैं और जहां गो-धन काटा जाता है। हिंदू समाज 33 करोड़ देवी-देवताओं को मानता है और गाय में उन 33 करोड़ देवी-देवताओं के दर्शन करता है

तथा हिंदू समाज यह भी मानता है कि गाय के दर्शन मात्र से ही चारों धामों के दर्शन हो जाते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करना चाहता हूं कि आज देश के गोधन को बचाने के लिए कड़े से कड़े कानून बनाने की जरूरत है। शिवसेना ने सदन के सामने इस विाय में एक बहुत बड़ा मार्च भी निकाला था। मेरी आपसे विनती है कि गाय को राट्रीय प्राणी घोति करें। अध्यक्ष जी, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विाय है क्योंकि यह 80 करोड़ हिंदुओं की आस्था का प्रश्न है। माननीय मंत्री जी सदन में उपस्थिति हैं और मुझे उम्मीद है कि वे उठकर कहेंगे कि हम गाय को राट्रीय प्राणी घोति करते हैं और आगे पूरी तरह से गाय की हत्या बंद करते हैं।

MR. SPEAKER: The House stands adjourned to meet at 2 p.m.

13.06 hrs.

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.

14.06 hrs.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at six minutes

past Fourteen of the Clock.

(Mr. Deputy-Speaker *in the Chair*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up 'Matters under Rule 377'.